पश्चिमी घाट

पश्चिमी घाट :- जैव विविधता की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है, अतः वर्ष 2012 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।

→ विश्व के कुल 36 जैव विविधता Hotspot में से एक है।

→ लगभग 1,40,000 Km^2 पर विस्तृत है।

→ 6 राज्यों में विस्तार मिलता है।

→ गुजरात के खानदेश से कन्याकुमारी तक गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु में है।

→ कुल लंबाई 1600 KM व औसत ऊंचाई 1500 मी है।

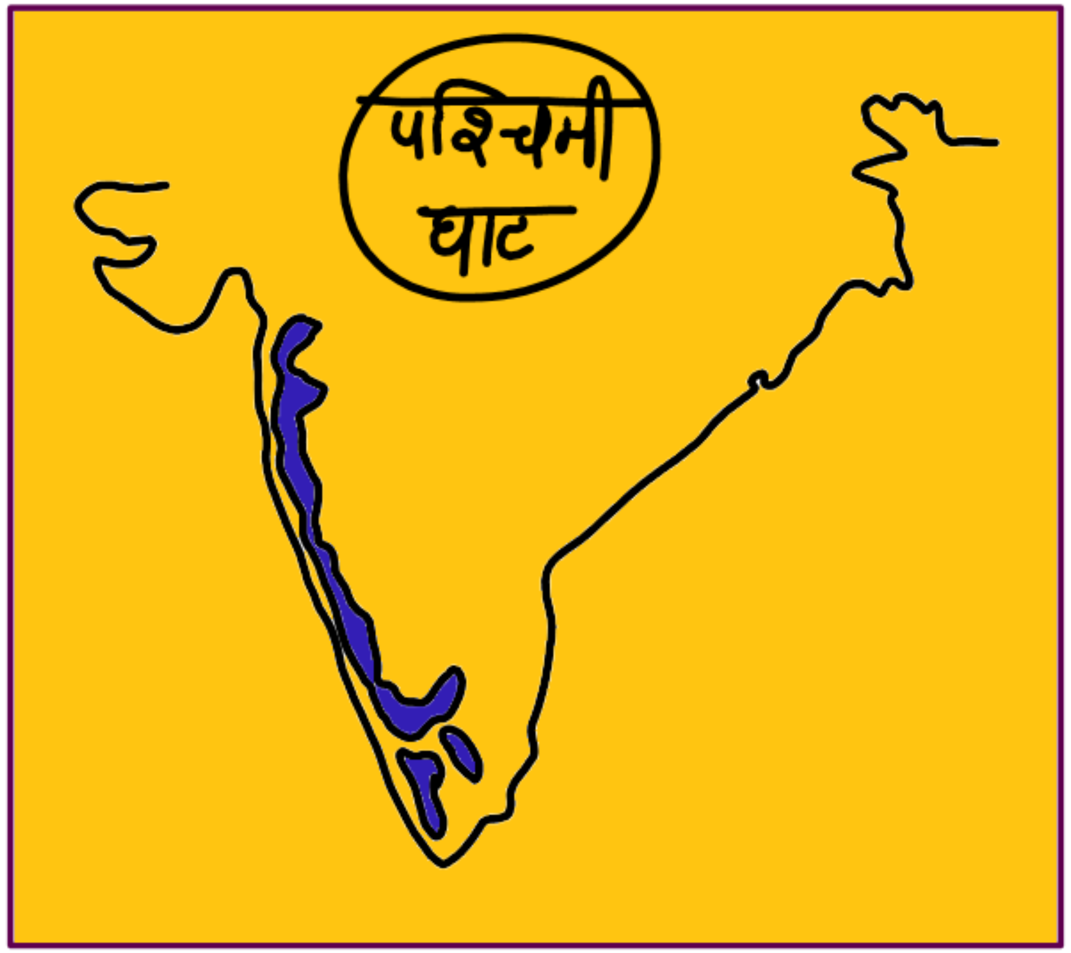

- यह एक भ्रंश कगार (Scarp fault) के रूप में विस्तृत है।
  - खंड पर्वत है।
- इस भाग में चर्कोनाइट, ग्रेनाइट, नीस जैसी आर्कियन युगीन चट्टानें मिलती हैं।

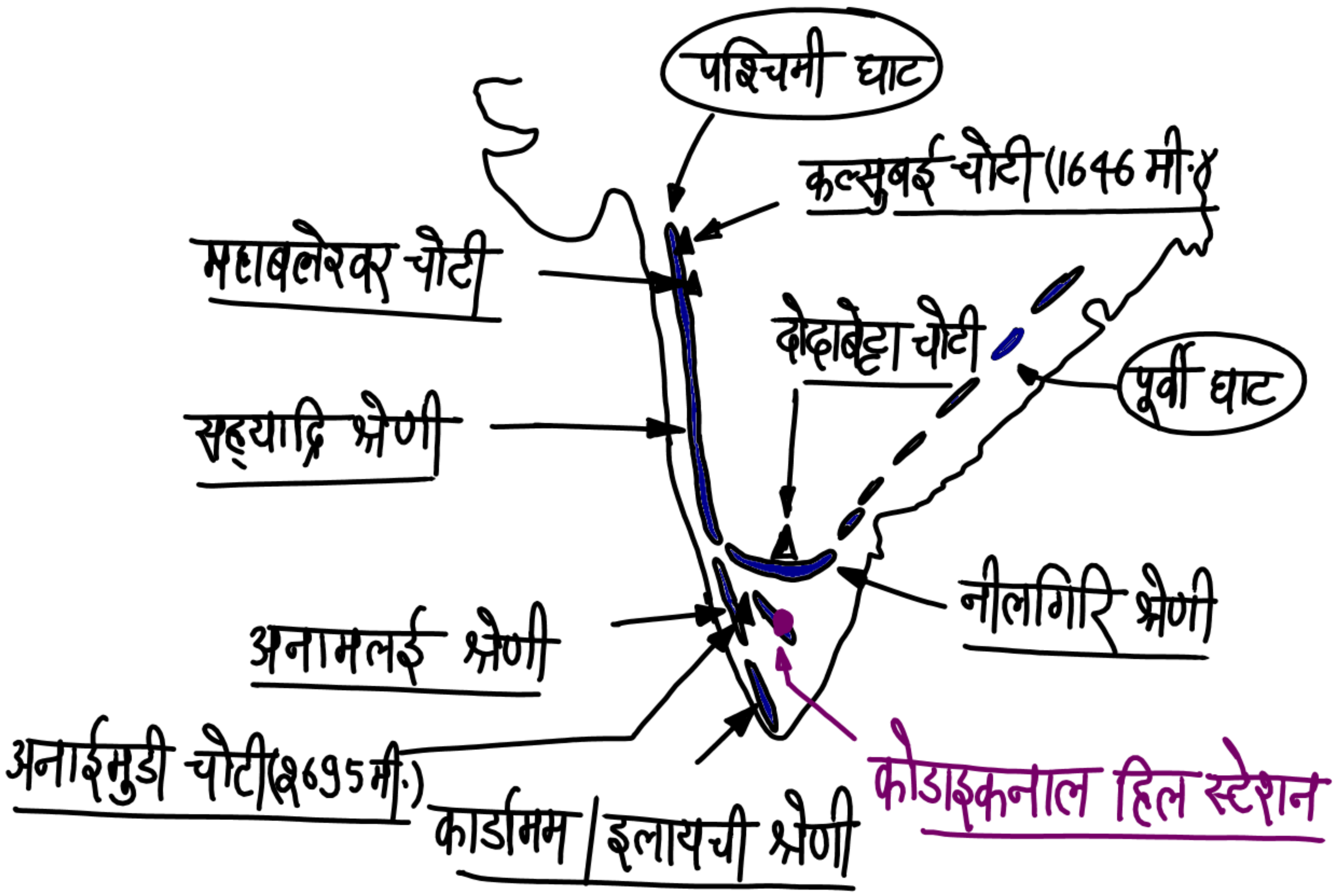

पश्चिमी घाट
कल्सुबाई चोटी (1646 मी.)
महाबलेश्वर चोटी
दोदाबेट्टा चोटी
सह्याद्रि श्रेणी
पूर्वी घाट
नीलगिरि श्रेणी
अनामलई श्रेणी
अनाईमुडी चोटी (2695 मी.)
कार्डामम / इलायची श्रेणी
कोडाइकनाल हिल स्टेशन

सह्याद्रि श्रेणी :- महाराष्ट्र व कर्नाटक में पश्चिमी घाट को सह्याद्रि कहा जाता है।

- इसकी सर्वोच्च चोटी कल्सुबई है जो कि महाराष्ट्र में स्थित है।
- महाराष्ट्र में इस श्रेणी में एक अन्य चोटी महाबलेश्वर भी है जिसके निकट से कृष्णा नदी का उद्गम होता है।

Note :- सह्याद्रि से संलग्न पठार को महाराष्ट्र में देश तथा कर्नाटक में मलनाड कहा जाता है।

✓ मलनाड से संलग्न समतल पठार को मैदान कहा जाता है।

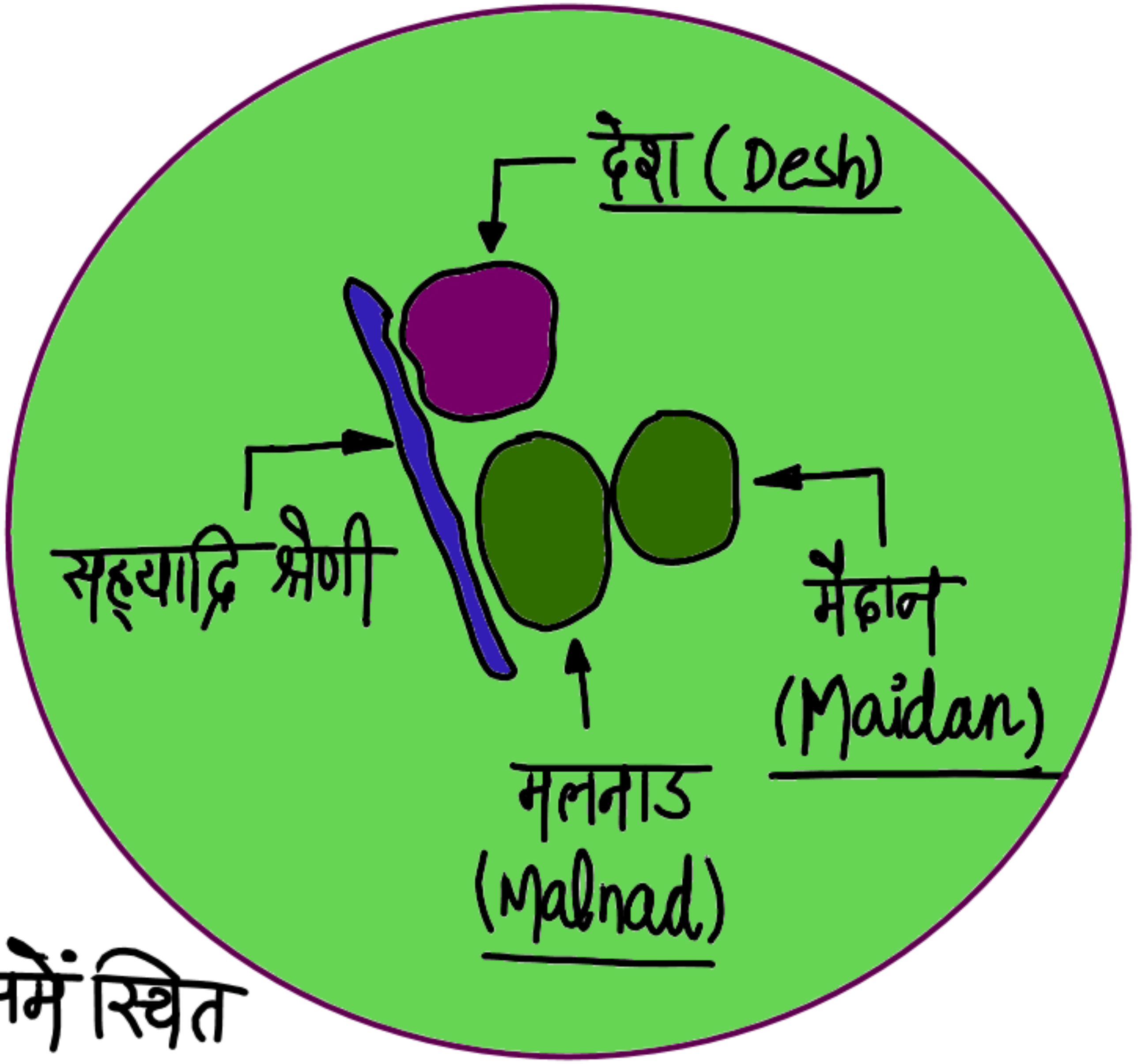

✓ कर्नाटक में बाबाबुदन की पहाड़ियां स्थित है जिनमें स्थित मुलनगिरि चोटी कर्नाटक की सर्वोच्च चोटी है। ये पहाड़िया लौह अयस्क के भंडारों तथा कॉफी उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हैं।

अनामलई श्रेणी :- इस श्रेणी में स्थित अनाईमुडी चोटी प्रायद्वीपीय भारत अथवा हिमालय के बाहर भारत की भी सबसे ऊंची चोटी है, जो कि केरल राज्य में स्थित है।

अनई + मलई

अनई → हाथी

मलई → पहाड़ियाँ

✓ **कार्डामम श्रेणी** :- भारत की दक्षिणतम पहाड़ियां है, जो कि इलायची उत्पादन हेतु प्रसिद्ध है।

→ केरल राज्य में विस्तार मिलता है।

पलनी श्रेणी :- तमिलनाडु राज्य में विस्तृत है जिनमें कोडाइकनाल हिल स्टेशन अवस्थित है।

नीलगिरि श्रेणी

- → देश का पहला BSR भी नीलगिरि BSR है।
- → पश्चिमी घाट को पूर्वी घाट से जोड़ती है।
- → इसमें ऊटि / उदगमण्डलम हिल स्टेशन स्थित है (तमिलनाडु)
- → टोडा जनजाति निवास करती है जिनमें बहुपति प्रथा प्रचलित है तथा ये लोग भैंसपालन का कार्य करते हैं।